हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

प्रथम वर्ष : ग्रामविद्या विशारद (बी.आर.अेस)

विषय : हिन्दी

अभ्यासक्रम(पाठ्यक्रम)

प्रास्ताविक :-

राष्ट्रभाषा का महत्व :-

किसी भी सवतंत्र प्रजा की अपनी पहचान होती है। उसकी अपनी संस्कृति होती है। उसकी अपनी संस्कृति एवं सभ्यता, आचारविचार, खान-पान, वेशभूषा होती है, इसी तरह राष्ट्रभाषा भी होती है। हमारे देश में राष्ट्रभाषा की गरिमामयी परंपरा है। जैसे वैदिक संस्कृति तथा संस्कृति हमारी राष्ट्रभाएं रही, हिन्दी इसी का प्रतिनिधित्व कर रही है। मध्ययुग में उत्तर भारत में कुछ समय तक फारसी, कुछ समय उर्दू और अंग्रेजी भी कारोबार की भाषा रही, लेकिन अंग्रेजी का जन-जीवन के साथ न कभी बैठा और न बैठ सकता। हिन्दी जन-जन तक पहुंची हुई है। वह राष्ट्रभाषा के रुपमें है। इसके कई कारण है।

१. हिन्दी राष्ट्रव्यापी भाषा है।
२. वह राष्ट्रीय परंपरा से जुडी हुई होने के कारण सांस्कृतिक मूल्यों की धरोहर को वहन करती है।
३. विश्व में करीब सौ विश्वविद्यालयों मे इसकी पढाई होती है।
४. वह हमारे देश की ४० प्रतिशत: प्रजा की मातृभाषा है। अन्य राज्यो में पढाई लिखाई की द्वितीय भाषा के रुप में और शेष राज्यों में एक राष्ट्रभाषा के रुप में तथा पूरे देश का जन सामान्य थोडा कुछ तो उसका आधार लेता रही है।
५. अधिकांश युवक-युवतियों के लिए आजीविका की भाषा बनी हुई है।
६. कई राज्यों के कारोबार तथा शिक्षा-दीक्षा की भाषा है।
७. पडोसी देशों की प्रजा के साथ इसके माध्यम से आसानी से व्यवहार निभाया जा सकता है।
८. गुजरात के जन मानस के लिए सुपरचित भाषा है।

(१) हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम का उद्देश्य :- (प्रयोजन)

ग्राम विद्याशाखा में हिन्दी भाषा का अध्ययन - अध्यापन निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया है।

१. भारत की सामाजिक संस्कृति के माध्यम के रुप में अंग्रेजी के आगमन पूर्व तक हिन्दी काम कर रही थी। राष्ट्र के पुनरुत्थान काल में राष्ट्रनायकों ने हिन्दी राष्ट्रभाषा के रुप में स्थापित करने का प्रयत्न किया था ओर हमारे संविधान में भी उसे राष्ट्रभाषा के रुप में स्वीका किया गया है। ग्रामविद्या विद्याशाखा का विद्यार्थी अंग्रेजी के विकल्प में भी विभिन्न भाषाओ को जोडनेवाली कडी-भाषा-राष्ट्रभाषा के रुप में भी हिन्दी सीखें। जो विद्यार्थी अंग्रेजी सिखने की क्षमता नहीं रखते वे राष्ट्रीय गतिविधियों में अपना योगदान इस प्रकार हिन्दी के द्वारा करेंगे।
२. हिन्दी भाषा एक प्रादेशीक भाषा होने के नाते गुजराती की सहोदरा भगिनी है। इसलिए छात्र आसानी से उसे समझ भी सकें और उसे व्यक्त कर सकें।
३. हिन्दी भाषा अंग्रेजी के अवेज में भविष्य के भारतीय स्नातक की वैकल्पिक ज्ञान भाषा- ग्रंथालय भाषा होगी। इस द्रष्टि से अंग्रेजी के विकल्प में वह भाषा स्नातक सीखें।
४. समय-समय पर निर्धारित साहित्यिक, कृतियों के अध्यापन द्वारा छात्रों में हिन्दी भाषा के पाठय विषय में दक्षता प्राप्त कराना।

(३) **मूल्यांकन गुण विभाजनः-**

(अ)	आंतरिक गुण	३० में से
(ब)	वर्षान्तगुण	७० में से
		१०० कुल में से

(४) **पाठयक्रम :-**

इकाई -१गद्य - हिन्दी साहित्य के प्रतिनिधि किसी एक या अनेक लेखकों की कहानी, निबंध, संस्मरण आदि किसी लघु साहित्य विद्या के एक पुस्तक का परिचय करें।

कहानी नई पुरानी संपादक : सोमेश्वर पुरोहित
नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अमदावाद-१८
कहानी की परिभाषा, कहानी के तत्व, कथावस्तु की विशेषता, चरित्र -चित्रण, कथोपकथन, देशकाल और वातावरण, भाषाशैली, उद्देश्य (जीवनदर्शन) तत्वों के धरातल पर अध्यापन।

	कहानी	कहानीकार
१.	उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
२	नमक का दारोगा	प्रेमचंद
३	हार की जीत	सुदर्शन
४.	डाची	उपेन्द्रनाथ अश्क
५.	परदा	यशपाल
६.	गदल	रांघेय राघव
७.	भोलाराम का जीव	हरिशंकर परसाई

इकाई -२ पद्य अध्यापक द्वारा चुनी गई अनेक कवियों की संकलित कविताओं का परिचय करें।

	कविता	कवि
१.	कर्मवीर	श्री अयोध्यासिंह-उपाध्याय'हरिऔध'
२	यशोधरा की उलझन	श्री मैथिलीशरण गुप्त
३.	एक फूल की चाह	श्री सियारामशरण गुप्त
४.	मानव जीवन	श्री सुमित्रानन्दन पंत्त
५.	कुछ कर न सका	श्री हरिवंशराय 'बच्चन'
६.	ग्राम	श्री ठाकुर गोपालशरणसिंह
७.	मुसीबत	श्री मौलाना अल्ताफ हुसेन 'हाली'
८.	हिम्मत न हारो	श्री मौलाना अल्ताफ हुसेन 'हाली'
९.	रुबाईयां	श्री शेख मुहम्मद इब्राहीम 'जौक'
१०.	झांसी की रानी की समाधि पर	श्रीमती सुभद्राकुमारी चौहान

इकाई-३ व्याकरण -	भूल सुधार (पाठ्य पुस्तक के रुप में चलाई जायेगी।)
	गिरीराजकिशोर और अंबाशंकर नागर
इकाई-४	पत्र लेखन के प्रकार और स्वरुप
	निबंध के प्रकार और स्वरुप
	अरजीलेखन
इकाई-५	कहावत और मुहावरे
	संक्षेप की कला
	विचार विस्तार
	पाठयक्रमकी कहानीओ में से साल में पांच अनुवाद करवाना

(५) शिक्षा पद्धति :-

व्याख्यान पद्धति	स्वाध्याय पद्धति
चर्चा पद्धति	विद्वान व्याख्यान माला
प्रश्नोत्तर पद्धति	प्रदर्शन

(६) मूल्यांकन :- मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र द्वारा मूलांकन और स्वाध्याय के द्वारा मूल्यांकन किया जाय।

(७) संदर्भ ग्रंथ सूचि :-

१.	हमारे प्रतिनिधि कवि	विश्वंभर मानव।
२	हिन्दी कविता :आधुनिक अयाम	रामदरश मिश्र।
३.	हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास	लक्ष्मीनारायण लाल।
४.	कहानी और कहानकार	मोहनलाल जिज्ञासु
५.	हिन्दी एकांकी	रामचरण महेन्द्र
६.	हिन्दी के प्रतिनिधि एकांकी कार	द्वारिका प्रसाद सकसेना।
७.	आधुनिक हिन्दी कहानी	डो.लक्ष्मीनारायण लाल।
८.	भूल सुधार	गिरिराज किशोर और अंबाशंकर नागर
९.	हिन्दी व्याकरण प्रवेश	पारेख नगीनदास, गूजरात विद्यापीठ
१०.	अच्छी हिन्दी	रामचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इल्हाबाद।
११.	महादेवी संस्मरण ग्रंथ संपादक	सुमित्रानंदन पंत, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली
१२	हिन्दी रेखाचित्र उद्‌भव और विकास	कृपाशंकर।
१३.	हिन्दी निबंध के सौ वर्ष -	डो.मृत्युंजय उपाध्याय गिरनार प्रकाशन- महेसाणा।
१४.	निबंध सिद्धांत और प्रयोग -	डो.बदरीनाथ त्रिवेदी बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी,-पटना

◈ ◈ ◈

HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN

RURAL STUDIES

F.Y.B.R.S.

SUB : ENGLISH

---

(1) INTRODUCTION :-

English language has achieved such an important pla ce in our day-to-day life that it can not be avoided simply by saying that it is a foreign language. It is no longer a means of mere individual development but is an essentiality either in business, commerce or in education. We can not be successful withou t English language. It has widened our path of life in all spheres.

English language is an equipment rather than a goal for our people, particularly for Gram Vidyapith students who are being imparted the education based on Rural Management. As English lan guage is interconnected with other subject, perhaps it may not be the main door but it is definitely a big hole to peep into the modern world with utmost clarity.

(2) OBJECTIVES :

The objective of this course for the FIRST YEAR BACHELOR OF RURAL STUDIES students is to develop various skills in understanding their subjects being taught to them in this level, their society and their surroundings. They are also expected to have a living contact with the speedily changing panorama of life. This course would enable them to use English language gradually in practical situation scientifically. It would also help the students of F.Y.B.R.S. in writing up, speaking on some particular subject, summarising their ideas and rendering the themes into English. It would, as our belief is, develop grasping efficiency of modern knowledge in the students coming from villages and from very poor socio -economic background.

(3) A FRAME WORK :-

Total work load period in a week	Internal Marks	Annual Marks	Total Marks	Time Hours
4 (Four)	30	70	100	3 (Three)

(4) SYLLABUS :-

TEXT BOOK :- THE UNTOUCHABLE : A Novel by Shri Mulkraj Anannd

(5) SYLLABUS ANALYSIS :-

UNIT – 1 TEXT BOOK

1. Short questions.
2. Long questions.

UNIT – 2 TEXT BOOK

1. Short notes 2. Characters sketches

UNIT – 3 PARAGRAPH WRITING. (attempt any two)

1. Personality
2. Visit
3. Place
4. Domestic Animals

UNIT – 4 PERSONAL LETTER WRITING.

1. Letter to Relatives : Occasional letters.
2. Letter to friend : Thanks, Congratulation, Consolations

UNIT – 5 LANGUAGE WORK :-

1. Use of Articles.
2. Prepositions
3. Co-ordinating conjunction
4. Simple Modal Auxiliaries.
5. Introductory ‘ There ’ and ‘ It ’
6. Use of ‘ To be’ , ‘have’ and ‘do’
7. Tense : Simple, Continuation and perfect of The Present, The Past and The future.
8. Making Negative
9. Making Interrogative – Inversion and Wh-questions.
10. Making Interro- Negative : contracted and Non-Contracted forms.

(6) TEACHING METHOD

(1) To introduce the students to the library-management, so that they are interested in co-curriculum reading and can know and taste it better-give the list of worth reading books for that reason and collect notes and reports of their reading. It is expected that that every student read at least four hundred to eight hundred pages during a year.

(2) The teacher should recite the prose and verse at his/her best in the class room.
(3) Give the chance to the students to speak infront of the classmates for oral expression and clear pronunciation- to give the chance to learn the pleasing poems by

heart and also give the training for proper recitation - also give the chance to read the dialogues, prose and news in proper and meaningful way.
(4) Arrange the questionnaire and group -discussion in the classroom, occ asionally.
(5) Get done three or correcting and mending the mistakes from their writings.

(7) EVALUATION METHOD.

(1) Question Paper
(2) Oral Exam
(3) Home work.
(4) Class room Notes.
(5) Assignments

(8) REFERENCE BOOKS :-

1.	Practical English Grammar	:	Thomson & Martinet
2.	Remedial English Grammar	:	F. T. Woods
3.	An Intensive course in English	:	C. D. Sidhu
4.	Pattern and usage in English	:	Horn by
5.	Living English structure	:	W. Allen
6.	Organised writing	:	V. Saraswat
7.	Guided comprehension and summary	:	B.Bloom field
8.	Fun with Grammar Book 1 to 6	:	Aggarwala
9.	Brighter Grammar Book 1 to 4	:	Eckersby & Swan
10.	English Handica	:	Dr. M. Panchal
11.	English Technica	:	Dr. M. Panchal
12.	English Pathmala	:	Dr. M. Panchal